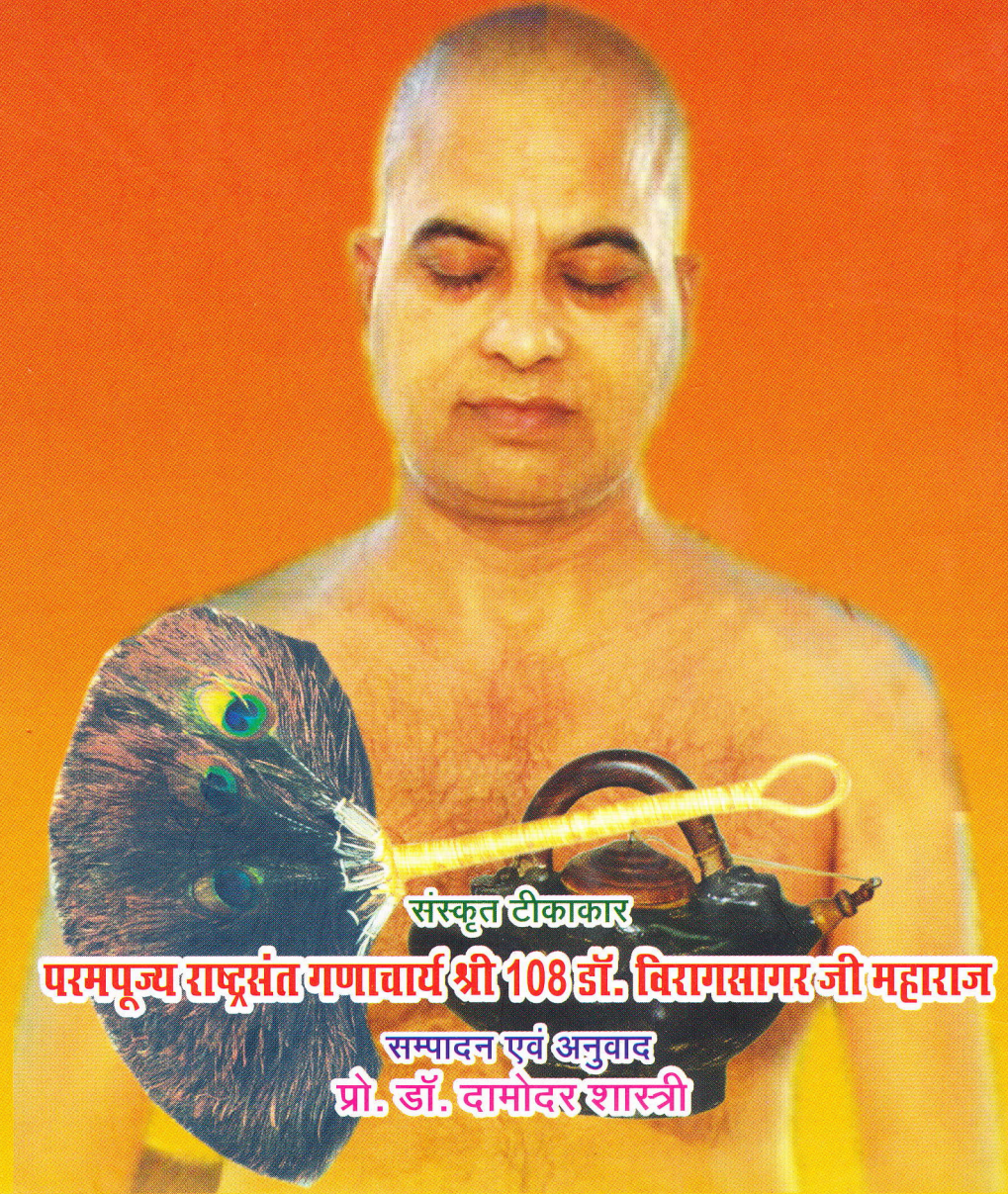


श्रीमद्भगवत्कुन्दकुन्दाचार्य विरचित

## रयणसार

ग्रंथस्योपरि श्रीमद्गणाचार्यविरागसागरवर्येण  
विरचिता संस्कृतटीका

## रत्नत्रयवार्धिनी पूर्वार्ध



संस्कृत टीकाकार

परमपूज्य राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 डॉ. विरागसागर जी महाराज

सम्पादन एवं अनुवाद

प्रो. डॉ. दामोदर शास्त्री

[ श्रीमद्-भगवत्कुन्दकुन्दाचार्य-विरचित ]

रयणसार

ग्रन्थ पर रचित संस्कृत टीका

रत्नत्रयवर्धिनी

पूर्वाब्द्ध

( गाथा 1 से 76 तक )

'रत्नत्रयवर्धिनी' संस्कृत टीकाकार

प. पू. गणाचार्य श्री 108 डॉ. विरागसागरजी महाराज

सम्पादन एवं हिन्दी अनुवाद  
प्रो. डॉ. दामोदर शास्त्री



भारतीय ज्ञानपीठ

---

प्रथम संस्करण : 2017 □ मूल्य : 650 रुपये